सत्र– 2018–19 से प्रभावी पाठयक्रम

बी0ए0 –प्रथमवर्ष

प्रथम प्रश्नपत्र **पूर्णाङ्क 75**

अभिज्ञानशाकुन्तलम्

इकाई 1–हिन्दी–अनुवाद 10×त्र 2 20

इकाई 2– संस्कृत व्याख्या 10× 1त्र 10

संस्कृत छाया 04

इकाई 3 (क) समालोचनात्मक प्रश्न 06

(ख) नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दों पर टिप्पणी 5 ×2 त्र 10

इकाई–4 साहित्यदर्पण से निम्नलिखित अलंकारों का लक्षण एवम् उदाहरण सहित परिचय। 15

अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति , सन्देह, भ्रान्तिमान, व्यतिरेक, अपह्नुति, प्रतिवस्तूपमा, दृष्टान्त, अर्थान्तरन्यास, तुल्ययोगिता, दीपक, विभावना, विशेषोक्ति, विरोधाभास, परिसंख्या।

इकाई–5– निम्नलिखित छन्दों का लक्षण एवम् उदाहरणसहित परिचय 10

अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा , उपजाति, द्रुतविलम्बित, वंशस्थ, वसन्ततिलका, मालिनी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडित, आर्या।

द्वितीय प्रश्नपत्र

किरातार्जुनीयम् प्रथमसर्ग सम्पूर्ण
पूर्णांङ्क–75

इकाई–1– हिन्दी अनुवाद 8 ×2 त्र 16

इकाई–2 (क)संस्कृत–व्याख्या 8× 1त्र 08

(ख) समालोचनात्मक प्रश्न = 06

नीतिशतकम् (श्लोक संख्या 1 से 30 तक)

इकाई–3– – हिन्दी अनुवाद 10× 1 त्र 10

– संस्कृत–व्याख्या 10 ×1 त्र 10

लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञा–प्रकरण)

इकाई–4 प्रत्याहार, उच्चारण, एवं प्रयत्नज्ञान सूत्रों की व्याख्या पर विशेषबल। = 15

इकाई–5– हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 10

बी0ए0 –द्वितीयवर्ष

प्रथम प्रश्नपत्र **पूर्णाङ्क 75**

कादम्बरी कथामुखम्(केवलगद्यभाग–प्रभातवर्णनपर्यन्त)

इकाई–1– गद्यांशों का हिन्दी अनुवाद 8× 2 त्र 16

इकाई–2–(क) संस्कृत व्याख्या 8× 1 त्र 08

(ख) समास पाठ्यग्रन्थ से 2×2 = 04

इकाई– 3– कादम्बरी से सम्बन्धित समालोचनात्मक प्रश्न 7 × 1 त्र 07

पूर्वमेघ (श्लोक संख्या 1 से 30 तक)

इकाई– 4– (क)हिन्दी अनुवाद 8× 1 त्र 08

(ख)संस्कृत–व्याख्या 7× 1 त्र 07

इकाई 5 – (क) वैदिक वाङ्मय का संक्षिप्त परिचय (प्रश्न एवं टिप्पणियाँ) –10

(ख) लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास (बीसवीं सदी पर्यन्त) महाकाव्य, खण्डकाव्य, गद्यकाव्य, चम्पू, नाटक, जन्तुकथा आलोचनात्मक प्रश्न एवं टिप्पणियाँ। 15

द्वितीय प्रश्न पत्र

पूर्णाङ्क 75

इकाई एक,दो एवं तीन = 30

वैदिक सूक्त– विश्वेदेवासूक्त, (ऋ01.89),विष्णु सूक्त(ऋ01.54),इन्द्रसूक्त (ऋ02.12), प्रजापति सूक्त(ऋ0 10. 121)पुरुषसूक्त (ऋ010.90), वाक्सूक्त(ऋ0 10.125) एवं शिवसंकल्पसूक्त (शुक्लयजुर्वेद अध्याय 34, कण्डिका 1–6)– हिन्दी–अनुवाद, सूक्त सारांश एवं व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ

इकाई4– **कठोपनिषद् प्रथम अध्याय**– हिन्दी–व्याख्या, आलोचनात्मक प्रश्न/पारिभाषिक शब्दों पर टिप्पणियाँ। 20

इकाई 5 **लघुसिद्धान्तकौमुदी (सन्धिप्रकरण)**

1–सूत्रों की व्याख्या 5× 2 त्र 10

2–सन्धि के उदाहरणों की साधनिका 5 × 3 त्र 15

बी0ए0 तृतीयवर्ष

प्रथमप्रश्न–पत्र

पूर्णाङ्क 75

इकाई1 एवं 2 – **साहित्यदर्पण** (प्रारम्भ से तृतीय परिच्छेद की 28 वीं कारिका तक) 25

इकाई 3– **उत्तररामचरितम्** – हिन्दी अनुवाद एवं संस्कृतव्याख्या

तृतीय अंक पर्यन्त से । समालोचनात्मक प्रश्न – 25

इकाई 4 **नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दों पर टिप्पणियाँ** (केवल अर्थप्रकृतियाँ कार्यावस्थाएँ एवं सन्धियाँ) 15

इकाई 5– संस्कृत में निबन्धलेखन 10

द्वितीय प्रश्न

पूर्णाङ्क 75

इकाई 1 एवं 2

तर्कसंग्रह 25

इकाई 3 एवं 4 – **श्री मद्भगवद्गीता (अध्याय 2 एवं 3)** 25

इकाई 5 **ईशावास्योपनिषद्** 25

तृतीय प्रश्नपत्र

पूर्णाङ्क 75

इकाई 1 एवं 2

लघुसिद्धान्तकौमुदी –समास प्रकरण– 30

इकाई –3 –**मध्यसिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण)** 20

इकाई –4

(क) वाच्यपरिवर्तन 05

(ख)– सन्, क्यच्, णिच्, क्यङ्, क्यप्, क्विप् प्रत्ययों का व्यावहारिकज्ञान 10

इकाई 5 – हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 10